Montague – Chelmsford Reform

- In August 1917, the British Government made the historic Montagu Declaration stating that its policy was the "*gradual development of self-governing institutions in India with a view to progressive realization of responsible government*". (अगस्त 1917 में ब्रिटिश सरकार ने ऐतिहासिक मॉण्टेग्यू घोषणा जारी की, जिसमें कहा गया कि भारत में उनकी नीति "जिम्मेदार सरकार की क्रमिक प्राप्ति के उद्देश्य से स्व-शासित संस्थाओं का धीरे-धीरे विकास" करना है।)
- To implement this, Edwin Montagu (secretary of State for India) and Lord Chelmsford (viceroy of India) prepared a report. (इस नीति को लागू करने के लिए एडविन मॉण्टेग्यू (भारत के सचिव) और लॉर्ड चेम्सफोर्ड (भारत के वायसराय) ने एक रिपोर्ट तैयार की।)
- This report led to the Government of India Act, 1919.
- इसी रिपोर्ट के आधार पर भारत सरकार अधिनियम, 1919 (Government of India Act, 1919) बनाया गया।

Key features

- Introduction of Diarchy in Provinces.
  प्रांतों में द्वैध शासन (Diarchy) की शुरुआत की गई।
- Provincial subjects divided into Transferred and Reserved categories : (प्रांतीय विषयों को दो श्रेणियों में बाँटा गया: हस्तांतरित (Transferred) और आरक्षित (Reserved) विषय।)

Transferred List

Handled by Indian ministers responsible to the legislative council (इन विषयों का संचालन भारतीय मंत्रियों द्वारा किया जाता था, जो विधायी परिषद के प्रति उत्तरदायी थे:)

- Education / शिक्षा
- Public health & sanitation / सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
- Local self-government / स्थानीय स्वशासन
- Agriculture / कृषि
- Public works (local) / सार्वजनिक कार्य (स्थानीय)
- Excise / आबकारी

Key features

Reserved list

Handled by Governor and his executive council (not responsible to legislature) इन विषयों का नियंत्रण गवर्नर और उसकी कार्यकारिणी परिषद के हाथ में था (ये विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं थे):

- Law & order, police (कानून-व्यवस्था, पुलिस)
- Finance (वित्त)
- Revenue (राजस्व)
- Irrigation (सिंचाई)
- Forests (वन)
- Diarchy was introduced only at the provincial level
- द्वैध शासन (Diarchy) केवल प्रांतीय स्तर पर ही लागू किया गया था।

Increased Indian Representation

- **Communal and class electorates expanded (Muslims, Sikhs, Anglo-Indians, Europeans, etc.)** (साम्प्रदायिक और वर्ग-आधारित निर्वाचन क्षेत्रों का विस्तार किया गया (मुस्लिम, सिख, एंग्लो-इंडियन, यूरोपीय आदि)।)
- **More Indian allowed in** (अधिक भारतीयों को निम्न संस्थाओं में शामिल होने की अनुमति मिली:)
- **Viceroy's Executive Council** (वायसराय की कार्यकारिणी परिषद)
- **Provincial Legislative Councils** (प्रांतीय विधान परिषदें)

Reactions

- Congress opposed it as inadequate and disappointing.
- कांग्रेस ने इसे अपर्याप्त और निराशाजनक बताकर विरोध किया।
- Annie Besant called it "unworthy of England to offer and India to accept." (एनी बेसेंट ने इसे "इंग्लैंड के देने योग्य नहीं और भारत के स्वीकार करने योग्य नहीं" कहा।)
- Led to growing demand for Swaraj and later movements under Gandhi. (इसके परिणामस्वरूप स्वराज की माँग और अधिक प्रबल हुई और आगे चलकर गांधी के नेतृत्व में नए आंदोलनों की शुरुआत हुई।)

Significanc

- First attempt to introduce responsible government in India.
- भारत में उत्तरदायी सरकार स्थापित करने का पहला प्रयास था।
- First step towards provincial autonomy (fully achieved later in the Government of India Act, 1935) (प्रांतीय स्वायत्तता की दिशा में पहला कदम (जिसे बाद में भारत सरकार अधिनियम, 1935 में पूर्ण रूप से लागू किया गया)।)
- Political awakening and debate increased due to new councils and limited elections. (नई परिषदों और सीमित चुनाव प्रक्रिया के कारण राजनीतिक जागरूकता और बहस में वृद्धि हुई।)

Non Cooperation Movement

(1920 – 1922)

- **The Non-Cooperation Movement (NCM) was the first nationwide movement launched by Gandhiji in 1920 during British rule.**
- **असहयोग आंदोलन (Non-Cooperation Movement – NCM) ब्रिटिश शासन के दौरान 1920 में गांधीजी द्वारा शुरू किया गया पहला राष्ट्रव्यापी आंदोलन था।**
- **Rowlatt Act and the brutal Jalianwala Bagh Massacre were the immediate causes for launching the movement. रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड की क्रूर घटना इस आंदोलन को शुरू करने के मुख्य तात्कालिक कारण थे।**

Non Cooperation Movement

(1920 – 1922)

- This Movement was introduced by Mahatma Gandhi on 1st August 1920 because of B G Tilak passed away on same day (यह आंदोलन 1 अगस्त 1920 को महात्मा गांधी द्वारा आरम्भ किया गया, क्योंकि उसी दिन बाल गंगाधर तिलक का निधन हो गया था।)
- In September 1920 , Congress had decided to start Non-Co-operation Movement. सितंबर 1920 में कांग्रेस ने असहयोग आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया।
- Parallel this Movement was started from Nagpur in December 1920.
- इसके समानांतर, यह आंदोलन दिसंबर 1920 में नागपुर से भी प्रारंभ किया गया।

Key leaders

- Mahatma Gandhi , C.R. Das, Jawaharlal Nehru, Vallabhbhai Patel.
- महात्मा गांधी, सी. आर. दास, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल।
- Khilafat leaders : Maulana Azad, Ali Brothers.
- खिलाफत नेता : मौलाना आज़ाद, अली बंधु (अली ब्रदर्स)।

Objectives:

- Attain swaraj (self-rule) (स्वराज (स्व-शासन) प्राप्त करना)
- Redress Khilafat wrongs. (खिलाफत से जुड़ी गलतियों का निराकरण कराना)
- Protest British repression and injustice. (ब्रिटिश दमन और अन्याय का विरोध करना)

Timeline of the movement

Phase 1 : Initial Non-cooperation

- **Surrender of titles and honours.** (उपाधियों और सम्मानों का त्याग।)
- **Boycott of government schools & colleges**
- सरकारी स्कूलों और कॉलेजों का बहिष्कार।
- **Boycott of law courts.** (कानून अदालतों (कोर्टों) का बहिष्कार।)
- **Boycott of foreign cloth** (विदेशी कपड़ों का बहिष्कार।)

Phase 2 : Mass Expansion

- **Picketing of toddy shops.** (ताड़ी की दुकानों का पिकेटिंग (घेराव/बहिष्कार)।)
- **Promotion of khadi and charkha** (खादी और चरखा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना।)
- **Village volunteer corps** (ग्राम स्वयंसेवक दल का गठन।)
- **Strikes, hartals, and rallies** (हड़तालें, धरने और रैलियाँ)
- **Participation of students, teachers, peasants, women, and workers was unprecedented.** (विद्यार्थी, शिक्षक, किसान, महिलाएँ और मजदूर—इन सभी की अभूतपूर्व भागीदारी देखने को मिली।)

limitations

- **Some leaders feared mass movements (moderates)**
  कुछ नेता (उदारवादी/मॉडरेट्स) जन-आंदोलनों से भयभीत थे।
- **Lack of proper organizational structure.**
  उचित संगठनात्मक संरचना का अभाव था।
- **Occasional violence despite Gandhi's insistence on non-violence.**
  गांधीजी के कठोर अहिंसा-नियम के बावजूद कभी-कभी हिंसा की घटनाएँ हुईं।

Incident

- Chauri chaura, a small town near Gorakhpur, UP. (चौरी-चौरा, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के पास स्थित एक छोटा कस्बा।)
- During the Non-cooperation movement, peasants were protesting against high food prices and oppressive practices. (असहयोग आंदोलन के दौरान किसान ऊँची खाद्य कीमतों और दमनकारी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।)
- Tensions rose between protestors and the local police, who often used lathi-charges and harassment. (प्रदर्शनकारियों और स्थानीय पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया, क्योंकि पुलिस अक्सर लाठीचार्ज और उत्पीड़न का सहारा लेती थी।)

What happened?

- On 5 Feb 1922, volunteers of the NCM held a protest march.
  5 फरवरी 1922 को असहयोग आंदोलन के स्वयंसेवकों ने एक विरोध मार्च निकाला।
- The police tried to disperse them using force – Protestors became angry. (पुलिस ने बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की – इससे प्रदर्शनकारी आक्रोशित हो गए।)
- Crowd attacked the police, who retreated into the police station.
  भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया, और पुलिसकर्मी पीछे हटकर थाने में छिप गए।
- Protestors set the police station on fire. (प्रदर्शनकारियों ने थाने को आग लगा दी।)
- 22 policemen were killed. (22 पुलिसकर्मी मारे गए।)
- This was the first major instance of violence during the Non-Cooperation Movement. / यह असहयोग आंदोलन के दौरान हिंसा की पहली बड़ी घटना थी।

Impact on National Movement

- **Mahatma Gandhi was deeply disturbed by the violence.**
  महात्मा गांधी इस हिंसा से अत्यंत व्यथित हो गए।
- **He believed that Indians were not yet ready for non-violent mass struggle.**
  (उनका मानना था कि भारतीय अभी अहिंसक जन-संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं।)
- **On 12 Feb 1922, he called off the Non-Cooperation Movement.**
  12 फरवरी 1922 को उन्होंने असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया।

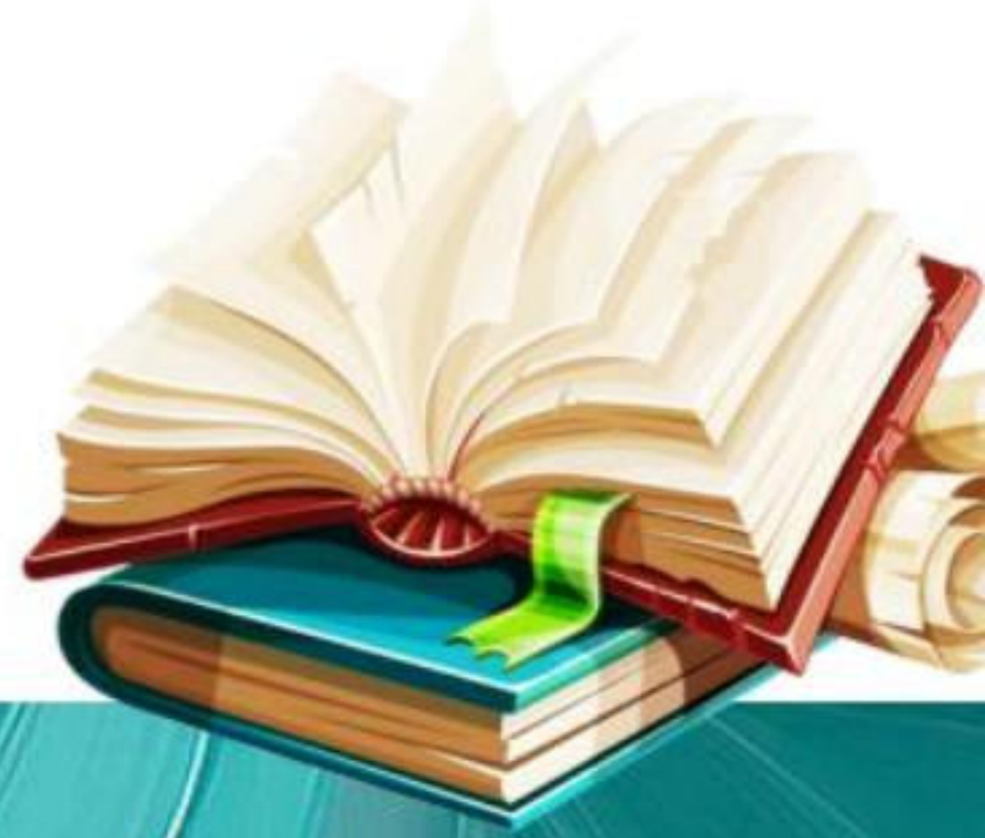

Consequences

- Many leader (C.R. Das, Motilal Nehru) disagreed with Gandhi's withdrawl. (कई नेता (जैसे सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू) गांधीजी के आंदोलन वापस लेने के निर्णय से असहमत थे।)
- Congress split into No (कांग्रेस दो भागों में बँट गई) —changers (followers of Gandhi's constructive work) नो-चेंजर : गांधी के रचनात्मक कार्यों का समर्थन करने वाले,and Pro-Changers (wanted council entry). प्रो-चेंजर : जो परिषदों में प्रवेश करना चाहते थे।
- Gandhi arrested in March 1922 and sentenced to six years in prison (served 2 years) (मार्च 1922 में गांधीजी को गिरफ़्तार किया गया और छह वर्ष की सजा सुनाई गई (परंतु उन्होंने लगभग दो वर्ष ही जेल में बिताए)।)

(1923)

Swaraj Party

- Formed in January 1923 within the congress.
- जनवरी 1923 को कांग्रेस के भीतर इस समूह का गठन किया गया।
- **Founders (संस्थापक:)**
- C.R. Das – President (सी. आर. दास – अध्यक्ष)
- Motilal Nehru – Secretary (मोतीलाल नेहरू – सचिव)
- Other leaders included Hakim Ajmal Khan Vithalbhai Patel, N.C. Kelkar, Srinivas Iyengar, Subhas chandra bose, M R Jaikar etc. (अन्य प्रमुख नेता: हकीम अजमल खान विठ्ठलभाई पटेल, एन.सी. केलकर, श्रीनिवास अयंगार, सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, एम.आर. जयकर आदि।)

Objectives

- **Attain Swaraj (self-rule) through constitutional and parliamentary methods.** (संवैधानिक और संसदीय तरीकों से स्वराज (स्व-शासन) प्राप्त करना।)
- **Enter legislative councils and obstruct unjust laws.**
- विधान परिषदों में प्रवेश कर अन्यायपूर्ण कानूनों का विरोध और अवरोध करना।
- **Expose weaknesses of the Montagu-Chelmsford Reforms.**
- मॉण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधारों की कमजोरियों को उजागर करना।
- **Protect civil liberties and promote responsible government.**
- नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा करना और जिम्मेदार सरकार को बढ़ावा देना।